सुनु मुनि तोहि कहउँ सहरोसा । भजहिं जे मोहि तजि सकल भरोसा ।।
करउँ तिन्ह कै रखवारी । जिमि बालक राखइ महतारी ।।
|| Ram Katha 961 - *मानस राम रक्षा || Mombasa (Kenya) || मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 33 | इंदौर, शनिवार 16 अगस्त, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

कृष्ण को पाने का प्रयास मत कीजिये.. केवल प्रेम कीजिए..!

प्रेममय कृष्ण किसे मिले, राधा या रुक्मिणी को...

कुछ छूटने पर भी कैसे खुश रहा जा सकता है, यह कृष्ण से अच्छा कोई सिखा ही नहीं सकता..

कभी सूरदास ने एक स्वप्न देखा था कि रुक्मिणी और राधिका मिली हैं और एक दूजे पर न्योछावर हुई जा रही हैं।

सोचता हूँ, कैसा होगा वह क्षण जब दोनों ठकुरानियाँ मिली होंगी। दोनों ने प्रेम किया था। एक ने बालक कन्हैया से, दूसरे ने राजनीतिज्ञ कृष्ण से। एक को अपनी मनमोहक बातों के जाल में फँसा लेने वाला कन्हैया मिला था, और दूसरे को मिले थे सुदर्शन चक्र धारी, महायोद्धा कृष्ण।

कृष्ण राधिका के बाल सखा थे, पर राधिका का दुर्भाग्य था कि उन्होंने कृष्ण को तात्कालिक विश्व की महाशक्ति बनते नहीं देखा। राधिका को न महाभारत के कुचक्र जाल को सुलझाते चतुर कृष्ण मिले, न पौंड्रक-शिशुपाल का वध करते बाहुबली कृष्ण मिले।

रुक्मिणी कृष्ण की पत्नी थीं, पटरानी थीं, महारानी थीं, पर उन्होंने कृष्ण की वह लीला नहीं देखी जिसके लिए विश्व कृष्ण को स्मरण रखता है। उन्होंने न माखन चोर को देखा, न गौ-चरवाहे को। उनके हिस्से में न बाँसुरी आयी, न माखन।

कितनी अद्भुत लीला है। राधिका के लिए कृष्ण कन्हैया था, रुक्मिणी के लिए कन्हैया कृष्ण थे। पत्नी होने के बाद भी रुक्मिणी को कृष्ण उतने नहीं मिले कि वे उन्हें "तुम" कह पातीं। आप से तुम तक की इस यात्रा को पूरा कर लेना ही प्रेम का चरम पा लेना है. रुक्मणि कभी यह यात्रा पूरी नहीं कर सकीं।

राधिका की यात्रा प्रारम्भ ही 'तुम' से हुई थीं। उन्होंने प्रारम्भ ही "चरम" से किया था। शायद तभी उन्हें कृष्ण नहीं मिले।

कितना अजीब है न! कृष्ण जिसे नहीं मिले, युगों युगों से आजतक उसी के हैं, और जिसे मिले उसे मिले ही नहीं।

तभी कहता हूँ, कृष्ण को पाने का प्रयास मत कीजिये। पाने का प्रयास कीजियेगा तो कभी नहीं मिलेंगे। बस प्रेम कर के छोड़ दीजिए, जीवन भर साथ निभाएंगे कृष्ण। कृष्ण इस सृष्टि के सबसे अच्छे मित्र हैं। राधिका हों या सुदामा, कृष्ण ने मित्रता निभाई तो ऐसी निभाई कि इतिहास बन गया।

राधा और रुक्मिणी जब मिली होंगी तो रुक्मिणी राधा के वस्त्रों में माखन की गंध ढूंढती होंगी, और राधा ने रुक्मिणी के आभूषणों में कृष्ण का वैभव तलाशा होगा। कौन जाने मिला भी या नहीं। सबकुछ कहाँ मिलता है मनुष्य को... कुछ न कुछ तो छूटता ही रहता है।

जितनी चीज़ें कृष्ण से छूटीं उतनी तो किसी से नहीं छूटीं।

कृष्ण से उनकी माँ छूटी, पिता छूटे, फिर जो नंद-यशोदा मिले वे भी छूटे। संगी-साथी छूटे। राधा छूटीं। गोकुल छूटा, फिर मथुरा छूटी। कृष्ण से जीवन भर कुछ न कुछ छूटता ही रहा। कृष्ण जीवन भर त्याग करते रहे।

हमारी आज की पीढ़ी जो कुछ भी छूटने पर टूटने लगती है, उसे कृष्ण को गुरु बना लेना चाहिए। जो कृष्ण को समझ लेगा वह कभी अवसाद में नहीं जाएगा। कृष्ण आनंद के देवता है। सब कुछ छूटने पर भी कैसे खुश रहा जा सकता है, यह कृष्ण से अच्छा कोई सिखा ही नहीं सकता।

(Social media से साभार)

शहर में मना आजादी का जश्न, साइकल चलाकर पहुंचे महापौर, कलेक्टर ने ली परेड की सलामी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में 79वां स्वतंत्रता दिवस पूरे सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह 8 बजे महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने एआईसीटीएसएल ऑफिस में ध्वजारोहण किया। खास बात यह रही कि महापौर अपनी टीम के साथ साइकिल चलाकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस मौके पर शहरवासियों में देशभक्ति का उत्साह स्पष्ट दिखाई दिया। मुख्य आयोजन महेश गार्ड लाइन स्थित आरएपीटीसी ग्राउंड पर हुआ, जहां कलेक्टर आशीष सिंह ने झंडा वंदन किया। इसके साथ नगर निगम, एआईसीटीएसएल, आईडीए, भाजपा-कांग्रेस कार्यालय और सभी सरकारी दफ्तरों में भी झंडा वंदन हुआ।

मुख्य समारोह और मुख्यमंत्री का संदेश

आरएपीटीसी ग्राउंड पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का भोपाल से सीधा प्रसारण भी दिखाया गया, जिसके लिए कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में एलईडी स्क्रीन लगाई गई थीं। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां हुईं, जिनमें देशभक्ति और लोकगीतों पर आधारित प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

17 दलों की परेड और आकर्षक बैंड प्रदर्शन

समारोह में विभिन्न विभागों के 17 दलों ने परेड में हिस्सा लिया, जिनमें सीमा सुरक्षा बल, आरएपीटीसी, प्रथम वाहिनी, 15वीं वाहिनी, जिला पुलिस बल (पुरुष), जिला पुलिस बल (महिला), नगर सेना, यातायात पुलिस, स्काउट, गाइड, रेडक्रॉस, आरआई ग्रुप, एसपीसी, सृजन दल और शौर्या दल शामिल रहे। परेड का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक आरएपीटीसी नीति दंडोतिया ने किया, जबकि उनके अनुकरण में टूआईसी सूबेदार सोनाली वास्केले रहीं। प्रथम वाहिनी और बीएसएफ का बैंड समारोह का विशेष आकर्षण बना।

सम्मान और पुरस्कार वितरण

कार्यक्रम में गरिमा विद्या मंदिर, शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर, शासकीय सांदीपनि अहिल्या आश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 और उमिया पाटीदार कन्या विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। समारोह में वर्षभर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान भी किया गया, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई।

संघ कार्यालय पर हुआ झंडावंदन

इंदौर की पंत वैद्य कॉलोनी के संघ कार्यालय सुदर्शन भवन में झंडावंदन किया गया। इसमें कई स्वयंसेवक शामिल हुए। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रान्त के सह प्रान्त कार्यवाह श्रीनाथ गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि जहां अपनी संस्कृति का पालन किया जा सके वही स्वतंत्रता का सही अर्थ है। हमारी संस्कृति हमें पर्यावरण के बारे में विचार करना, अपने कुटुंब के लिए सोचना, सभी पशु-पक्षी-प्राणियों का ध्यान रखने का भाव रखना सिखाती है।

कार्यक्रम में इंदौर विभाग संघचालक डॉ मुकेश मोड़, डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति के अध्यक्ष ईश्वर हिंदुजा, सचिव राकेश यादव मौजूद थे। भाजपा कार्यालय में नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने झंडावंदन किया। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता भी मौजूद थे। झंडवंदन के बाद राष्ट्रगीत भी गाया गया। इंदौर विकास प्राधिकरण में प्राधिकरण अध्यक्ष दीपक सिंह ने झंडावंदन किया। कर्मचारियों ने देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने की शपथ ली।

12 लाख रुपये का योगदान दिया

स्वतंत्रता दिवस पर सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों के कल्याण के लिए विनर्स अकादमी ने 12 लाख रुपये का योगदान दिया। यह राशि सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में सौंपी गई।

महान विभूतियों को याद किया

अपना दल (एस) मध्य प्रदेश की ओर से इंदौर स्थित पार्टी कार्यालय पर युवा कार्यकर्ताओं द्वारा झंडा रोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय महासचिव व मध्य प्रदेश प्रभारी आर. बी. सिंह पटेल के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय महासचिव (युवा मंच) डॉ अखिलेश पटेल व राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन महान विभूतियों को याद किया गया जिन्होंने भारत की आजादी के लिए संघर्ष किया और अपने प्राणों की आहुति दी। संगठन के युवा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के गरीब, शोषित और वंचित वर्गों की सशक्त आवाज बनने का दृढ़ संकल्प लिया। इस दौरान उज्जैन सिंह चौहान, रोहित सिंह चंदेल, कपिल राजौरा, मुस्कान सिंह उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यालय पर हुआ झंडावंदन

इंदौर के कांग्रेस कार्यालय पर भी स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा ने झंडावंदन किया। इस दौरान अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। आयोजन में देश की आजादी के संघर्ष को याद किया गया।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा-

हमें 15 अगस्त को कटी-फटी आजादी मिली, हम अखंड भारत की कल्पना करते है

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में आजादी दिवस की पूर्व संध्या पर श्रमिक क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि गलत नीति के कारण भारत माता के दो टुकड़े हुए। जिस आजादी के भगत सिंह फंदे पर झूले थे। वो आजादी हमें 15 अगस्त को नहीं मिली। हमें कटी-फटी आजादी मिली है।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि हम अखंड भारत की कल्पना करते है। एक दिन आएगा,जब हम इस्लामाबाद पर तिरंगा झंडा फहराएंगे और अखंड भारत का सपना पूरा करेंगे। मोदी सरकार केनए जमाने के भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल के हमलों का इस तरह जवाब दिया गया कि हमारे सैनिकों को खरोंच तक नहीं आई।

इंदौर में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शहर में अनेक आयोजन हुए। इंदौर के राजवाड़ा क्षेत्र में शहर के बैंड एकत्र हुए और देशभक्ति की धुन बजाई। इसके अलावा कलाकारों ने राष्ट्रीय गीतों पर नृत्य की प्रस्तुतियां भी दी। आजादी के उपलक्ष्य में 78 दीपों को जलाया गया। इसके अलावा 78 पौंड का केक काटा गया। राजवाड़ा पर यह आयोजन बीते 29 वर्षों से हो रहा है। मंच पर पूर्व सैन्य अधिकारियों का सम्मान भी किया गया। इसके अलावा पाटनीपुरा चौराहे पर भी आजादी का जश्न मनाया गया। बाल कलाकारों ने देशभक्ति के गीत गाए। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी ये देश है वीर जवानों का... मेरा रंग दे बसंती चोला सहित अन्य आजादी के गीत गाए। एक बाल कलाकार हार्दिक सपकाले ने सैक्सोफोन पर मेरा कर्मा तू..मेरा धर्मा तू गीत की धुन बजा कर खूब दाद बटोरी।रात 12 बजे आतिशबाजी भी की गई। कार्यक्रम में युवा कवियों ने वीर रस की कविताओं को सुनाकर माहौल देशभक्ति भरा कर दिया। कार्यक्रम देर रात तक चला।

सुनु मुनि तोहि कहऊँ सहरोसा । भजहिं जे मोहि तजि सकल भरोसा ।।
करऊँ तिन्ह कै रखवारी । जिमि बालक राखइ महतारी ।।
|| Ram Katha 961 - *मानस राम रक्षा || Mombasa (Kenya) || मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 33 | इंदौर, शनिवार 16 अगस्त, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

"श्रीकृष्ण की मृत्यु के साथ समय की रेखा क्यों बदल गई?"

श्री कृष्ण केवल एक अवतारी पुरुष नहीं थे, बल्कि समय के संरक्षक (Timekeeper) भी माने जाते हैं। महाभारत में युद्ध, द्वारका की स्थापना, गीता का उपदेश, और ब्रह्मास्त्रों का नियंत्रण ये सभी श्रीकृष्ण के नेतृत्व में एक नियंत्रित और संतुलित समयधारा में घटे। जब श्रीकृष्ण ने पृथ्वी से विदा ली, उसी क्षण से द्वारका समुद्र में डूब गई, यादव वंश आपस में लड़कर समाप्त हो गया, और कलियुग का वास्तविक आरंभ हुआ। ऐसा माना जाता है कि श्रीकृष्ण जब तक पृथ्वी पर थे, तब तक काल (समय) उनके नियंत्रण में था, और उनके जाते ही समय की रेखा अपनी स्वाभाविक दिशा में तेजी से बहने लगी- जैसे बांध टूटने के बाद नदी बेकाबू हो जाए। इसीलिए, उनकी मृत्यु के साथ ही युगों का संतुलन टूट गया, और अधर्म ने पुनः सिर उठाना शुरू कर दिया। यह परिवर्तन केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय (cosmic) था।

लाल किले से PM के 2 ऐलान

दिवाली पर GST रिफॉर्म से जनता का टैक्स घटेगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से 2 बड़े ऐलान किए। उन्होंने कहा, 'इस दिवाली पर सरकार जीएसटी रिफॉर्म ला रही है। इससे आम लोगों को टैक्स में बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया, आज से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लागू की जा रही है। इस योजना के तहत निजी क्षेत्र में पहली नौकरी पाने वाले बेटे बेटी को 15 हजार रुपए सरकार की तरफ से दिए जाएंगे। कंपनियों को भी जो ज्यादा रोजगार जुटाएगा, उन्हें प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह योजना करीब 3.5 करोड़ नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर बनाएगी। पीएम का शुरुआती भाषण ऑपरेशन सिंदूर पर फोकस रहा। उन्होंने कहा, 'आज मुझे लाल किले की प्राचीर से ऑपरेशन सिंदूर के वीर जांबाजों को सैल्यूट करने का अवसर मिला है। हमारे सैनिकों ने दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में सीमा पार से आतंकियों ने जिस प्रकार का कत्ले आम किया। धर्म पूछकर लोगों को मारा।' उन्होंने कहा, 'पूरा हिंदुस्तान आक्रोश से भरा हुआ था। पूरा विश्व इस संहार से चौंक गया था। ऑपरेशन सिंदूर उसी आक्रोश की अभिव्यक्ति है। हमने सेना को खुली छूट दी। हमारी सेना ने वो करके दिखाया, जो कई दशकों तक भुलाया नहीं जा सकता। सैकड़ों किमी दुश्मन की धरती में घुसकर आतंकियों को नेस्तनाबूद किया। पाकिस्तान की नींद अभी उड़ी है। पाकिस्तान में हुई तबाही इतनी बड़ी है कि रोज नए खुलासे हो रहे हैं।'

सीएम डॉ. मोहन यादव आज इंदौर और धार में

कृष्ण पर्व और जानापाव कार्यक्रम में होंगे शामिल, एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों से भी करेंगे मुलाक़ात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर में रहेंगे और इंदौर व धार में आयोजित स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उनके कार्यक्रम के अनुसार, वह दोपहर 3:50 बजे इंदौर से धार के अमझेरा के लिए रवाना होंगे, जहां वे कृष्ण पर्व में शामिल होंगे। इसके बाद सीएम जानापाव (महू) के लिए रवाना होंगे और शाम 5:25 बजे वहां पहुंचेंगे।

जानापाव में कार्यक्रम में भाग लेने के बाद सीएम शाम 6:35 बजे इंदौर एयरपोर्ट से उज्जैन के लिए रवाना होंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव इससे पहले इंदौर एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से औपचारिक मुलाकात भी करेंगे।

बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को इंदौर में तिरंगा यात्रा में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश नए दौर में प्रवेश कर चुका है और अब अन्याय को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने अपने बयान में कहा कि हमारी जांबाज सेना ने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देकर भारत की शक्ति का परिचय कराया है।

सीएम ने यह भी कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और नागरिकों को लोकतंत्र और उसके प्रहरियों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरा है और तिरंगे की आन, बान और शान पहले से कहीं अधिक बुलंद हुई है।

राहुल गांधी पर निशाना

तिरंगा यात्रा के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम ने कहा था कि राहुल गांधी को कोई खतरा नहीं है, बल्कि राहुल गांधी से लोकतंत्र को खतरा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वही गलतियां दोहरा रहे हैं जो उनके पूर्वजों ने की थीं, और बाद में सभी माफी मांगते रहे। वोट की राजनीति कांग्रेस के लिए महंगी साबित हो रही है।

सीएम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ऐसे अच्छे विकास के माहौल में भी राजनीति से बाज नहीं आ रही है और सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग और सेना का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि ये सभी लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ हैं, और इन पर सवाल उठाने से लोकतंत्र को खतरा होगा।

मोहन यादव ने ऐतिहासिक मैदान में फहराया तिरंगा, लाड़ली बहनों को लेकर किया बड़ा ऐलान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। देश के साथ मध्य प्रदेश में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है. राजधानी भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ध्वजारोहण किया. वहीं प्रदेश के अलग-अलग जिलों में ध्वजारोहण की जिम्मेदारी दोनों डिप्टी सीएम, 31 मंत्रियों और 24 जिलों में स्थानीय कलेक्टरों को सौंपी गई थी. सीएम डॉ मोहन यादव ने सबसे पहले लाल परेड मैदान में झंडा फहराया, इसके बाद परेड की सलामी ली.

प्रदेश के नाम मुख्यमंत्री ने दिया संदेश

सीएम मोहन यादव ने प्रदेश के नाम संदेश पढ़ते हुए कहा कि 'टंट्या मामा, रानी दुर्गावती, अवंती बाई और झलकारी बाई समेत न जाने ऐसे कितने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मध्य प्रदेश के रहे, जिन्होंने इस आजादी की लड़ाई में अपना श्रेष्ठ

योगदान दिया. आज युद्ध की नई तकनीकी हमारे पास है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को अत्याधुनिक अस्त्र-शस्त्र उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी.' आपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि 'जो जैसा था, उसके साथ वैसा किया गया.'

'संसद-विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण'- मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि 'भारत विश्व में सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था है, अभी यह चौथे नंबर पर है. जिस प्रकार केंद्र और राज्य सरकार कदम से कदम

मिलाकर चल रहे हैं, ऐसे में जल्द ही हम दुनिया की नंबर एक अर्थव्यवस्था होंगे. आज देश में चाहे 370 हटाने की बात हो या फिर लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का काम मोदी सरकार पूरी मेहनत के साथ कर रही है.' सीएम ने लाड़ली बहनों को लेकर कहा कि 'भले ही अभी इनको 1250 रुपये मिल रहे हैं, लेकिन दीपावली के बाद इसमें 250 रुपये बढ़ाकर 1500 रुपये किया जा रहा है.'

'साल 2025 औद्योगिक निवेश और रोजगार का वर्ष'- सीएम मोहन यादव ने कहा कि 'मध्य प्रदेश में 2025 को उद्योग और रोजगार वर्ष घोषित किया गया है. हमने 7 रीजनल कॉन्क्लेव के जरिए रीवा, शहडोल, सागर और ग्वालियर समेत अन्य संभागों में औद्योगिक विकास के लिए निवेशकों को बुलाया. इसके बाद भोपाल में ग्लोबल इंवेस्टर्स मीट की, जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया. राज्य सरकार औद्योगिक इंकाइयों को उद्योग के लिए जमीन उपलब्ध कराने के साथ कागजी कार्रवाई में भी मदद कर रही है. टेक्सटाइल्स इंडस्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों को भी सरकार की तरफ से स्टायफंड दिया जा रहा है.

इंदौर में 15 अगस्त पर विश्वकर्मा समाज का ध्वजारोहण और रैली

17 सितम्बर विश्वकर्मा जयंती की तैयारियां शुरू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर शुक्रवार को विश्वकर्मा समाज द्वारा 78 क्षेत्र स्थित विश्वकर्मा मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद सहित समाज के गणमान्य नागरिक, युवा एवं महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे हुई, जिसमें सबसे पहले राष्ट्रगान के साथ ध्वज फहराया गया और तिरंगे को सलामी दी गई।

ध्वजारोहण के बाद उपस्थित समाजजनों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय पार्षद ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि यह हमारे पूर्वजों के बलिदान और त्याग का स्मरण कराने का अवसर है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी इस त्याग और संघर्ष की गाथा से परिचित कराना चाहिए, ताकि उनमें राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना बनी रहे।

कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वकर्मा भाइयों के साथ एक विशेष रैली भी निकाली गई। यह रैली मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण में समाप्त हुई। रैली के दौरान देशभक्ति गीतों के साथ-साथ समाज की एकता और प्रगति का संदेश देने वाले नारे लगाए गए। इसमें युवा वर्ग विशेष उत्साह के साथ शामिल हुआ और पूरे मार्ग में वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत रहा।

रैली के बाद समाज के वरिष्ठजनों और युवाओं के बीच एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज के विकास और एकता को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। इस चर्चा में शिक्षा, रोजगार, सामाजिक जागरूकता और समाज के युवाओं को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए कई सुझाव सामने आए। यह तय किया गया कि समाज की गतिविधियों में युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, साथ ही महिलाओं को भी नेतृत्व के अवसर दिए जाएंगे।

बैठक में आगामी 17 सितम्बर को होने वाली विश्वकर्मा जयंती की तैयारियों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। समाज के सदस्यों ने तय किया कि इस वर्ष विश्वकर्मा जयंती का आयोजन पहले से अधिक भव्य रूप में किया जाएगा। इसके तहत शोभायात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक सेवा कार्य और समाज के होनहार विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजन की जिम्मेदारी विभिन्न समितियों को सौंप दी गई, ताकि तैयारियां समय पर और योजनाबद्ध तरीके से पूरी की जा सकें।

कार्यक्रम के अंत में मंदिर समिति ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और देश व समाज के प्रति समर्पण के संकल्प के साथ ध्वजारोहण समारोह का समापन किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य, महिला मंडल, युवा संगठन, क्षेत्रीय पार्षद एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने में स्वयंसेवकों की भूमिका सराहनीय रही। 15 अगस्त का यह आयोजन न केवल स्वतंत्रता दिवस के गौरव को बढ़ाता है, बल्कि समाज के भीतर एकता, जागरूकता और भविष्य की योजनाओं के प्रति सजगता का भी प्रतीक बना।

पर्यटक स्थलों पर लगा मेला, तीन दिन की छुट्टियों ने बढ़ा दी रौनक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। 15 अगस्त पर इंदौर के पर्यटक स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ी। आज 15 अगस्त कल कृष्ण जन्माष्टमी और परसों रविवार मिलाकर तीन दिन के अवकाश एक साथ आने से लोगों में गजब का उत्साह दिखा। इंदौर और आसपास के पर्यटक स्थलों के साथ स्थानीय पार्क और बाजार भी देर रात तक गुलजार रहे।

लाल बाग पैलेस, जू और गांधी हाल भी रहे गुलजार

इंदौर के लाल बाग पैलेस, मेघदूत गार्डन और गांधी हाल जैसे पिकनिक स्पाट भी गुलजार रहे। जू में आज के दिन सबसे अधिक भीड़ रही। शहर के लोग सुबह से 15 अगस्त के रंग में रंगे नजर आए।

राजवाड़ा से सराफा तक उमड़ी भीड़

शहर के स्थानीय बाजारों में भी भारी उत्साह देखने को मिला। जगह जगह झंडावंदन किया गया। चौराहों, प्रमुख बाजारों में मिठाइयां बांटी गई। इंदौर का ऐतिहासिक राजवाड़ा महल रंगबिरंगी रोशनी से जगमगाता रहा। वहीं सराफा बाजार में रात 8 बजे के बाद शुरू हुए स्ट्रीट फूड मार्केट में खाने के शौकीनों की खासी भीड़ उमड़ी।

पातालपानी, जानापाव और रालामंडल में हरियाली की तलाश

प्रकृति प्रेमियों ने इंदौर के आसपास के स्थलों को चुना। पातालपानी जलप्रपात, जानापाव पहाड़ी, रालामंडल मानसून के मौसम में स्वर्ग जैसे दिखते हैं। इन दिनों यहां पर हर रविवार खासी भीड़ हो रही है। दो दिन से मौसम सुहाना होने की वजह से यहां पर लोग खूब मनोरंजन करते दिखे। इसके अलावा वन्यजीवों और पक्षियों के प्रेमियों के लिए सिरपुर तालाब, चोरल जैसी कई बेहतरीन जगह है, जहां बहुत अधिक भीड़ देखी गई।

अन्नपूर्णा मंदिर और खजराना गणेश

मंदिरों में भी आज खासी भीड़ रही। कल कृष्ण जन्माष्टमी होने और आज 15 अगस्त की छुट्टी पड़ने से लोग मंदिरों की सजावट देखने भी पहुंचे। अन्नपूर्णा मंदिर, खजराना गणेश मंदिर, इस्कान, रणजीत हनुमान में भी खासी भीड़ देखी गई।

डॉग्स के सपोर्ट में हस्ताक्षर अभियान पलासिया पर जुटे सैकड़ों लोग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में डॉग्स के सपोर्ट में अभियान तेज होता जा रहा है। गुरुवार को रीगल पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद आज 15 अगस्त के दिन पलासिया पर सैकड़ों लोग जुटे और उन्होंने डॉग्स के सपोर्ट में हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस अभियान में शहर की कई संस्थाओं ने भाग लिया। एनिमल लवर भावना जादौन ने बताया कि सिर्फ एक संदेश पर सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए। हम सिर्फ डॉग्स ही नहीं बल्कि पूरी प्रकृति के लिए संवेदनशील हैं और हम चाहते हैं कि किसी भी मूक प्राणी के साथ अन्याय नहीं हो। आज लोगों ने

यहां पर सुप्रीम कोर्ट के दिए आदेश के मायनों को समझा और डॉग्स के सपोर्ट में हस्ताक्षर करवाए।

बैनर पोस्टर से किया विरोध- पशुप्रेमियों ने इस दौरान नारेबाजी भी की और वे अपने साथ पोस्टर्स बनाकर भी लाए थे। इंदौर शहर को डॉग्स के प्रति जागरूक करने और सरकार से डॉग रूल 2023 को लागू कराने के लिए इसका आयोजन किया गया। 'आई लव इंदौर' पॉइंट (पलासिया) पर हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सुबह 11 बजे शुरू हुई यह सभा दोपहर 1 बजे तक चलती रही और इसमें लोगों ने सड़कों पर बैनर और पोस्टर लेकर प्रदर्शन भी किया। इस सभा में शहर के सभी वर्ग के लोग, पशुचिकित्सक, पशुप्रेमी, महिला बच्चे पुरुष आदि उपस्थित हुए और अपनी बात रखी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया द्वारा दिल्ली NCR डॉग्स को शेल्टर में रखने आदेश के सभी पक्षों को लोगों को समझाया गया।

इंदौर-देवास बायपास पर फिर ट्रैफिक जाम, डेढ़ किलोमीटर तक वाहन की कतार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर देवास बायपास पर शुक्रवार को फिर ट्रैफिक जाम हो गया। दोनों तरफ डेढ़ किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लगी रही। अर्जुन बड़ौद में बन रहे निर्माणाधीन ब्रिज को पार करने में वाहन चालकों को एक घंटे का समय लगा। इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ने के कारण ट्रैफिक जाम के हालात बने। जाम की जानकारी मिलने के बाद एनएचएआई की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी और ट्रैफिक बहाल कराने की कोशिश में जुटी रही।

शाम चार बजे के बाद अर्जुन बड़ौद गांव में जाम लगना शुरू हुआ। यहां ब्रिज बनने के कारण ट्रैफिक को सर्विस रोड पर डायवर्ट किया गया है। उसकी चौड़ाई कम होने से ज्यादा वाहन नहीं आ पा रहे है। पिछले दिनों हुए जाम के बाद सर्विस रोड पर पेवर ब्लॉक लगा दिए गए थे, लेकिन दो दिन

से हो रही बारिश के कारण फिर सर्विस रोड पर कुछ जगह पेवर ब्लॉक उखड़ गए और वाहनों की गति धीमी हो रही थी। स्वतंत्रता दिवस पर काफी लोग परिवार के साथ पिकनिक मनाने निकलते है। इसके अलावा उज्जैन की तरफ से भी कई पर्यटक देवास होते हुए इंदौर आए। इस कारण भी इंदौर देवास बायपास पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया था।

डेढ माह पहले लगे जाम के दौरान हो गई थी मौतें- डेढ़ माह पहले भी इंदौर-देवास बायपास पर 48 घंटे का जाम लगा था। जाम में फंसने के कारण तीन बीमार लोगों ने उपचार मिलने से पहले ही दम तोड़ दिया था। तब इस ट्रैफिक जाम का मुद्दा प्रदेशभर में उछला था।

राजा रघुवंशी के घर नकली टीआई बनकर आया व्यक्ति, शंका होने पर किया पुलिस के हवाले

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड को लेकर नया मोड़ आया है। राजा के कैट रोड स्थित निवास पर शुक्रवार सुबह एक व्यक्ति आया। वह खुद को थाना प्रभारी बता रहा था और परिवार के लोगों के बारे में पूछताछ कर रहा था। परिजनों को शंका हुई तो उससे आईडी मांगा।

नकली थाना प्रभारी ने खुद का नाम बजरंग लाल बताया। उसने कहा कि वह राजस्थान का है और फिलहाल उसकी पोस्टिंग दिल्ली में रेलवे पुलिस में है। नकली आईडी होने की आशंका के बाद परिजनों ने राजेंद्र नगर थाने को सूचना दी। इसके बाद पुलिसकर्मी उसे लेकर पूछताछ के लिए थाने ले गए।

खुद को थाना प्रभारी बता रहा बजरंग लाल जब राजा के घर पहुंचा तो उनका भाई विपिन बाहर गया था। मां उमा ने बजरंग लाल को बाहर बैठाया। इसके बाद उन्होंने विपिन को फोन लगाकर पुलिस अधिकारी के आने की सूचना दी। इस बीच बजरंग लाल घर में रहने वाले सदस्यों की जानकारी, उम्र आदि के बारे में पूछने लगा। विपिन जब घर आए तो बजरंग ने किसी को फोन लगाया। इसके बाद विपिन ने उससे आईडी मांगा। उसने दिखाया, लेकिन वह नकली लग रहा था।

बजरंग लाल ने राजा रघुवंशी मर्डर केस के बारे में तो कोई बात नहीं की, लेकिन वह किस उद्देश्य से घर आया था। इस बारे में भी वह नहीं बता सका। विपिन ने बताया कि राजेंद्र नगर पुलिस के हवाले हमने उसे कर दिया है। आशंका है कि वह हमारे परिवार के बारे में जानकारी जुटाने आया था।

संपादकीय

'देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने देश में अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए एक नई योजना का ऐलान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने नक्सलवाद और देश की जनसांख्यिकी बदलने की साजिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की बात कही। पीएम मोदी ने सभी दलों से विकसित भारत के निर्माण को लेकर प्रयासों में शामिल होने की अपील की। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के राष्ट्र निर्माण में योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए स्वदेशी हथियारों और रक्षा प्रणालियों की सराहना की। उन्होंने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवादियों के साथ-साथ उन्हें समर्थन देने, उकसाने और प्रशिक्षण देने वालों को भी कड़ी सजा दी जाएगी। उन्हें ऐसी सजा मिलेगी जिसकी वे कल्पना भी नहीं कर सकते। पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने सीमा पार करके पहलगाम में लोगों की हत्या कर दी। इन आतंकियों ने लोगों से उनका धर्म पूछा, पतियों को उनकी पत्नियों के सामने गोली मार दी और पिता को उनके बच्चों के सामने मार डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस घटना से पूरा देश गुस्से में था और पूरी दुनिया हैरान थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' उस गुस्से का ही नतीजा था। पीएम मोदी भारतीय सिक्योरिटी फोर्सेज के एक्शन की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सेना को अपनी रणनीति बनाने, लक्ष्य चुनने और कार्रवाई का समय तय करने की पूरी छूट दी गई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुश्मन के इलाके में सैकड़ों किलोमीटर अंदर तक घुसकर, उन्होंने आतंकवादी मुख्यालयों को मलबे में तब्दील कर दिया। उन्होंने आतंकवादी मुख्यालयों को खंडहर बना दिया। पाकिस्तान अभी भी डर के साये में जी रहा है। पाकिस्तान में इतनी तबाही हुई है कि हर दिन नई जानकारी सामने आ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि जो लोग आतंकवाद को पालते-पोसते हैं और उन्हें बढ़ावा देते हैं, उन्हें अब अलग नहीं माना जाएगा। वे सभी मानवता के दुश्मन हैं और उनमें कोई अंतर नहीं है। भारत ने अब फैसला किया है कि हम इन परमाणु धमकियों को और बर्दाश्त नहीं करेंगे। परमाणु ब्लैकमेल जो इतने लंबे समय से चल रहा है, उसे अब सहन नहीं किया जाएगा। अगर हमारे दुश्मन भविष्य में यह प्रयास जारी रखते हैं, तो हमारी सेना, हमारे रक्षा बल अपनी शर्तों पर, अपनी पसंद के समय पर, अपनी इच्छानुसार तरीके से कार्रवाई करेंगे। हम उन्हें करारा जवाब देंगे। पीएम मोदी ने सिंधु जल समझौते पर भारत के रुख को दोहराया। उन्होंने कहा कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उन्होंने बताया कि इस संधि के स्थगित होने तक भारत का पानी पाकिस्तान के कुछ हिस्सों की सिंचाई कर रहा था। प्रधानमंत्री ने आंतरिक सुरक्षा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि 11 साल पहले 125 जिले नक्सलवाद की चपेट में थे, लेकिन आज यह संख्या घटकर 20 जिले रह गई है। देश में घुसपैठ के जरिए जनसांख्यिकी को बदलने की 'साजिश' पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक नए संकट के बीज बोए जा रहे हैं। इस संकट से निपटने के लिए एक उच्च-शक्ति जनसांख्यिकी मिशन शुरू किया जाएगा। सरकार एक ऐसी योजना शुरू करेगी जिससे देश में अवैध रूप से आ रहे लोगों की पहचान की जा सके और उन्हें रोका जा सके। इससे देश की जनसंख्या का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने लाल किले की प्राचीर से आरएसएस के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने देश को बनाने में बहुत मदद की है। उन्होंने आरएसएस के लोगों के काम की सराहना की। पीएम मोदी ने सभी देशवासियों से अपील की कि वे देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें। भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आगे आने और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

OSHO कहिन

"प्रेम से डरना मत, यह वही है जो तुम्हें मुक्त करेगा।"

धर्म-कर्म

कलयुग में 2080 साल हो चुकी है श्रीकृष्ण की उम्र

जानें जन्माष्टमी का शुभ मुहूर्त

भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा में उनके जन्मोत्सव की तैयारी पूरी हो गई है. जिस तरह से श्रावण मास में भगवान शिव की भक्ति होती है, उसी तरह भाद्रपद भगवान श्रीकृष्ण की आराधना का महीना है. कृष्ण जन्माष्टमी पर भक्तगण पूरा दिन उपवास करते हैं. रात 12 बजे तक भगवान श्रीकृष्ण का जागरण, भजन-कीर्तन, पूजन-अर्चना करते हैं और उनका आशीर्वाद पाते हैं. इस साल जन्माष्टमी का त्योहार 16 अगस्त शनिवार को मनाया जा रहा है.

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण का अवतरण 3228 ईसवी वर्ष पूर्व हुआ था. इस हिसाब से इस साल श्रीकृष्ण का 5252 जन्मोत्सव मनाया जाएगा. कान्हा ने 3102 ईसवी वर्ष पूर्व यह लोक छोड़ दिया था. विक्रम संवत के अनुसार, कलयुग में उनकी आयु 2080 वर्ष हो चुकी है. यानी भगवान श्रीकृष्ण पृथ्वी लोक पर 125 साल 6 महीने 6 दिन रहे थे. इसके बाद वह स्वधाम चले गए.

हर वर्ष भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को पूरे भक्तिभाव के साथ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि कि भादो कृष्ण अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि के समय भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल 16 अगस्त 2025 को कृष्ण जी का जन्मोत्सव बड़े धूम-धाम के साथ मनाया जाएगा। इस दिन भक्त व्रत रखते हैं, बाल गोपाल का श्रृंगार करते हैं और उन्हें माखन, मिश्री, तुलसी पत्ते जैसी प्रिय वस्तुएं अर्पित करते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूजा विधि, शुभ मुहूर्त, मंत्र, व्रत कथा, आरती सहित अन्य जानकारी..

कृष्ण जन्माष्टमी 2025 पूजा मुहूर्त

कृष्ण जन्माष्टमी पूजा का शुभ मुहूर्त – 16 अगस्त को तड़के 12 बजकर 04 मिनट से 12 बजकर 47 मिनट तक

कुल अवधि- केवल 43 मिनट

मध्यरात्रि का क्षण – 16 अगस्त को सुबह 12:26 पर

चन्द्रोदय समय – रात 11:32 बजे

जन्माष्टमी पर रोहिणी नक्षत्र का समय

रोहिणी नक्षत्र आरंभ – 17 अगस्त को सुबह 4 बजकर 38 मिनट से

रोहिणी नक्षत्र समाप्त – 18 अगस्त को सुबह 3 बजकर 17 मिनट तक

जन्माष्टमी का प्रसाद

1. धनिया पंजीरी

कई जगहों पर श्रीकृष्ण को निया पंजीरी का भोग लगाया जाता है. आप इसे आसानी से घर पर बनाकर लड्डू गोपाल को भोग लगा सकते हैं. इसमें मेवा मिलाना ना भूलें.

2. माखन मिश्री

माखन और मिश्री कृष्ण जी को बहुत प्रिय है. ऐसी मान्यताएं हैं कि श्रीकृष्ण अपने बाल रूप में चुराकर माखन और मिश्री खाते थे. ऐसे में आप घर पर बने हुए माखन का भोग उन्हें लगा सकते है.

3. श्रीखंड

ये गुजरात की काफी प्रसिद्ध डिश है. इसे बनाकर आप छोटे से कान्हा का भोग लगा सकते हैं. इसे दही, चीनी, इलाइची और केसर के साथ बनाया जाता है.

4. खीर

ऐसा कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को खीर काफी प्रिय है. ऐसे में आप मखाने या साबुदाने की खीर बनाकर इसका भोग उन्हें लगा सकते हैं और इसे प्रसाद के रूप में वितरित कर सकते हैं.

Maharashtra

मुंबई में आफत की बारिश, कई इलाकों में जलभराव विक्रोली में भूस्खलन से 2 लोगों की मौत

मुंबई, (एजेंसी) महाराष्ट्र के मुंबई में देर रात से ही भारी बारिश हो रही है. कुर्ला, सायन समेत कई इलाकों में जलभराव से आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं. मौसभ विभाग ने आफत की बारिश को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है. इस बीच विक्रोली में भारी बारिश से भूस्खलन (लैंडस्लाइड) हो गया. जिससे 2 लोगों की मौत हो गई. इस हादसे में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

बताया जाता है कि ये भूस्खलन मुंबई के विक्रोली (पश्चिम) जनकल्याण सोसाइटी, वर्षा नगर, विक्रोली पार्क साइट में हुआ. बीएमसी ने बताया कि मुंबई के विक्रोली

(पश्चिम) जनकल्याण सोसाइटी, वर्षा नगर, विक्रोली पार्क साइट में भूस्खलन से 2 लोगों की मौत हो गई. जबकि 2 अन्य घायल हो गए. भूस्खलन के बाद आसपास के लोग दहशत में आ गए. मुंबई में बारिश की वजह से आज सुबह से ही आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. जलभराव की वजह से सड़कों पर जाम लग गया. रेलवे ट्रैक पर भी पानी भरा हुआ है. आपको बता दें कि शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के चिसोती गांव में भी भूस्खलन हो गया था. जिससे कई लोगों की मौत हो गई. जबकि कई लोग फंस गए. फिलहाल प्रभावितों को बचाने के लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है.

New Delhi

तावीज बंधवाने गए थे, दिल्ली में मौलवी का वह कमरा कैसे बन गया 6 की 'कब्रगाह'

नई दिल्ली, (एजेंसी) लगातार हो रही बारिश ने राजधानी में एक और त्रासदी ला दी। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में शुक्रवार दोपहर को हुमायूं के मकबरे के पास मौजूद पत्ते शाह की दरगाह की छत और दीवार गिर गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। दोपहर के वक्त दरगाह में बने दो कमरों की छत और दीवार अचानक भरभराकर गिर गए। मलबे में मौलवी समेत 10 लोग दब गए। लोगों ने पुलिस और दमकलकर्मियों की मदद से सभी को निकालकर अस्पताल भेजा। लेकिन 6 लोग तब तक दम तोड़ चुके थे, वहीं चार घायलों का एम्स के ट्रॉमा सेंटर और एक का आरएमएल में इलाज चल रहा है।

हादसे के वक्त मौलवी कमरे में बैठे लोगों को तावीज दे रहे थे और बाहर बारिश का पानी लगातार इमारत की नींव को खोखला कर रहा था। निजामुद्दीन स्थित ऐतिहासिक दरगाह शरीफ पत्ते वाली परिसर में मौलवी के कमरे की जिस वक्त छत गिरी, अंदर कई लोग थे। दरगाह के पीछे बने एक बड़े गड्ढे में पिछले कई दिनों से बारिश का पानी जमा हो रहा था। यह गड्ढा और भी खतरनाक हो गया क्योंकि इसकी दीवारें मिट्टी की थीं, जो धीरे-धीरे ढहने लगीं। अचानक जोरदार आवाज के साथ दीवार और छत गिर गई, जिससे मौलवी और कमरे में मौजूद सभी लोग मलबे में दब गए। पुलिस के अनुसार, मृतकों में 56 वर्षीय मीना अरोड़ा, 24 वर्षीय मोनुष्का अरोड़ा, 40 वर्षीय अनीता सैनी, 35 वर्षीय मोइनुद्दीन, 79 वर्षीय स्वरूप चंद और आरिफ शामिल हैं।

Uttarpradesh

यूपी में दर्दनाक हादसा: बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे में ट्रक में पीछे से घुसी कार, दो भाइयों की मौत; काल बनी झपकी

महोबा, (एजेंसी) बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पर कस्बा खन्ना के पास तेज रफ़्तार कार ट्रक में पीछे से घुस गई। दुर्घटना में कार सवार दो भाइयों की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। घटना का कारण कार चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। बांदा जिले के अतर्रा कस्बा निवासी संतोष द्विवेदी अतर्रा के हिंदू इंटर कॉलेज में प्रवक्ता है। उनके तीन पुत्रों में से बड़ा पुत्र आशुतोष द्विवेदी दिल्ली में रहकर सिविल सर्विस की तैयारी कर रहा था, जबकि छोटा बेटा उत्कर्ष द्विवेदी दिल्ली में शासकीय इंटर कॉलेज में अध्यापक था। दोनों भाई जन्माष्टमी पर्व पर दिल्ली से घर आ रहे थे। कार आशुतोष द्विवेदी चला रहा था। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे में 86.4 पॉइंट पर कार ट्रक में पीछे से घुस गई। अनुमान लगाया जा रहा है कि शुक्रवार की सुबह झपकी आने के कारण कार का संतुलन बिगड़ गया और कार चलते ट्रक में घुस गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि 32 वर्षीय आशुतोष व 28 वर्षीय उत्कर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। कार के परखच्चे उड़ गए। दोनों भाई अविवाहित बताए जा रहे हैं।

Bihar

मुफ्त जमीन, सब्सिडी, जीएसटी में छूट, बिहार में उद्योग लगाने वालों को नीतीश का स्पेशल पैकेज

पटना, (एजेंसी) बिहार में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतीश सरकार उद्यमी और कारोबारियों के लिए स्पेशल पैकेज लेकर आई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पटना के गांधी मैदान से इसकी घोषणा की। अब शनिवार को उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी विस्तृत जानकारी दी है। इसके तहत बिहार में नए उद्योग लगाने वालों को अगले 6 महीने तक विशेष सुविधा दी जाएंगी। इनमें कैपिटल सब्सिडी, ब्याज एवं जीएसटी में छूट, मुफ्त जमीन जैसी कई सुविधाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि साल 2020 में सात निश्चय-2 के तहत की गई घोषणा के क्रम में सरकार ने 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार देने के लक्ष्य को पूरा कर लिया

है। अब सरकार ने अगले 5 सालों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। राज्य में उद्योग लगाने और स्वरोजगार करने वालों को कई प्रकार की सुविधाएं देकर सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। अब बिहार में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा।

खेल

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान बॉब सिम्पसन का निधन, बेहद शानदार रहा करियर

सिडनी, (एजेंसी) ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से एक दुखद खबर सामने आई है. टीम के पूर्व कप्तान बॉब सिम्पसन का 16 अगस्त (शनिवार) को सिडनी में निधन हो गया. सिम्पसन की उम्र 89 साल थी. सिम्पसन का योगदान बतौर खिलाड़ी, कप्तान और कोच तीनों भूमिकाओं में शानदार रहा. सिम्पसन की गिनती उन क्रिकेटर्स में होती थी जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को मुश्किल दौर से बाहर निकालकर वर्ल्ड क्लास टीम बनाया.

बॉब सिम्पसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 62 टेस्ट मैचों में 46.81 की औसत से 4869 रन बनाए, जिसमें 10 शतक और 27 अर्धशतक शामिल रहे. सिम्पसन ने साल 1964 में मैनचेस्टर टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 311 रनों की पारी खेली थी. यह एशेज इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक मानी जाती है. सिम्पसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए दो वनडे

मुकाबले भी खेले, जिसमें उन्होंने 36 रन बनाए. सिम्पसन शानदार स्लिप फील्डर और उपयोगी लेग स्पिनर भी थे. सिम्पसन ने टेस्ट में 71 और ओडीआई में 2 विकेट झटके.

बॉब सिम्पसन ने 1968 में संन्यास ले लिया था, लेकिन कैरी पैकर वर्ल्ड सीरीज के दौर में ऑस्ट्रेलियाई टीम को संभालने के लिए वो दोबारा मैदान में लौटे और टीम की कप्तानी भी की. बॉब सिम्पसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना डेब्यू टेस्ट मैच दिसंबर 1957 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग में किया था. उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच अप्रैल 1978 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्स्टन में खेला, जो उनके इंटरनेशनल करियर का आखिरी मुकाबला भी रहा.

बॉब सिम्पसन ने 39 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी की. इस दौरान कंगारू टीम ने 12 टेस्ट मैच जीते और इतने में ही उसे हार मिली. सिम्पसन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 15 टेस्ट मैच ड्रॉ भी कराए. सिम्पसन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने दो वनडे मुकाबले खेले, जिसमें उसे एक में जीत और एक में हार मिली.

क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद बॉब सिम्पसन ने कोचिंग को अपना करियर बनाया. 1986 में ऑस्ट्रेलियाई टीम के हेड कोच का पद संभालने के बाद बॉब सिम्पसन ने युवा टीम में नई जान फूंक दी. कप्तान एलन बॉर्डर और कोच सिम्पसन की जोड़ी कमाल कर गई और 1987 में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वनडे वर्ल्ड कप जीता. फिर 1989 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज जीती, साथ ही 1995 में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसकी धरती पर टेस्ट सीरीज में जीत हासिल की. उनकी कोचिंग में ही स्टीव वॉ, शेन वॉर्न और ग्लेन मैक्ग्रा जैसे क्रिकेटर्स निखरकर सामने आए.

बॉब सिम्पसन को साल 1965 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था.

सिनेमा

इस दिन से हनुमान के गेटअप में फिल्म रामायण की शूटिंग शुरू करेंगे सनी देओल

रणबीर के बारे में कही ये बात

नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही फिल्म रामायण का इंतजार हो रहा है। इस फिल्म में अभी तक की सबसे शानदार कास्ट एक साथ नजर आने वाली है। रणबीर कपूर, राम के किरदार में देखेंगे तो साई पल्लवी ने सीता का किरदार निभाया है। वहीं हनुमान बनेंगे एक्टर सनी देओल। एक्टर ने पहली बार अपनी इस अपकमिंग फिल्म और रणबीर के साथ स्क्रीन शेयर करने पर बात की है। सनी देओल ने इस फिल्म को बेहद खास और एक खूबसूरत प्रोजेक्ट बताया। हाल में टाइम्स नाउ से बातचीत में सनी देओल ने बताया कि वो हनुमान का किरदार निभा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं की है। लेकिन अगले कुछ समय में वो शूटिंग करने वाले हैं। सनी से जब रणबीर कपूर के साथ काम करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा होने वाला है, क्योंकि वह एक बेहतरीन एक्टर हैं और वह हमेशा कोई भी प्रोजेक्ट हाथ में लेते हैं और उसे पूरी तरह से जीते हैं।'

Highlights

1. PM Modi recites motivational quote in address on 79th I-Day
2. India moving towards 'Samudra Manthan': PM Modi amid US tariff row
3. Govt reveals plan for GST reduction after PM Modi's announcement
4. India shouldn't allow itself to be used by US: Top US economist on Trump tariffs
5. Grateful for all assistance provided by PM: CM on J&K cloudburst

PM Viksit Bharat Rozgar Yojana: Decoding new private jobs scheme for India's youth

NEW DELHI, (Agency). In his Independence Day speech from the ramparts of the iconic Red Fort, Prime Minister Narendra Modi announced, among other things, the launch of PM 'Viksit Bharat Rozgar Yojana' to create new employment opportunities for 3.5 crore young Indians.

Under the scheme, which PM Modi said gets going from August 15 itself, newly employed youth will receive ₹15,000 per month in their first private job.

"Today is 15 August, and we are launching the ₹1 lakh crore scheme for the youth of this country...in good news for you, PM Viksit Bharat Rozgar Yojana is being rolled out from today," the prime minister said in his Independence Day speech.

There are also incentives for private companies that employ them, according to details mentioned in the scheme's website.

On July 1, 2025, the Union Cabinet led by PM Modi approved the PM Viksit Bharat Rozgar Yojana—an employment-linked incentive scheme for job creation in the country. Here's a look at some of its features:

PM Viksit Bharat Rozgar Yojana

Scheme Duration: 2 Years (till 31 July 2027)

Total Outlay: ₹99,446 crore

Jobs Creation: 3.5 Crore+

Focus: Manufacturing sector

Eligibility: Salaried employees earning up to ₹1 lakh

Eligibility criteria

The scheme is aimed at first-time employees and private sector firms. The first-time employees have to register under the Employees Provident Fund Organisation (EPFO) for direct financial incentives under the scheme.

The employee has to join EPFO between 1 August 2025 and 31 July 2025

She must not be a member of the EPFO before 1 August 2025

The EPF contribution should be received from August 2025 or later

The monthly gross salary should be less than ₹1 lakh/ month

The employee should be employed in same firm for at least six months

FASTag Annual Pass: From activation to validity, your FAQs answered

NEW DELHI, (Agency). The government has launched the FASTag Annual Pass for private vehicles travelling on the national highways of the largest road network in the world. Still, there are frequently asked questions that are yet unanswered. Here's a look at a few of them.

1. What is the FASTag Annual Pass?

The FASTag Annual Pass allows free passage of private four-wheelers at designated national highways expressways for one year or 200 trips, whichever is earlier, without per-trip user fee charges. The pass is effective from 15 August 2025.

2. Where can I purchase the FASTag Annual Pass?

The FASTag annual pass can be activated only on the Rajmarg Yatra mobile app and website of the National Highways Authority of India (NHAI).

3. How will the FASTag Annual Pass be activated?

The FASTag Annual Pass will be activated after verifying the eligibility of the vehicle and the associated FASTag. Upon successful verification, the user must make a payment of ₹3,000 for the base year 2025-26 through the Rajmarg Yatra mobile app or NHAI website. Once the payment is confirmed, the annual pass will be activated on the registered FASTag in two hours.

4. Does the annual pass require a new FASTag?

The annual pass can be activated on existing FASTag, provided it meets the eligibility criteria: affixed on the vehicle's windshield, linked to a valid vehicle registration number, not blacklisted, etc.

एमवाय में नर्सिंग ऑफिसर से आईसीयू में मारपीट

पति ने दी जान से मारने की धमकी, पुलिस ने दर्ज किया केस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के एमवाय अस्पताल की नर्सिंग ऑफिसर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पति ने आईसीयू वार्ड में आकर उनके साथ हाथापाई की। गार्ड की मदद से उसे अस्पताल से बाहर निकाला गया। इसके बाद मोबाइल पर जान से मारने की पति ने धमकी दी। महिला ऑफिसर की शिकायत पर पुलिस ने पति के खिलाफ केस दर्ज किया है।

संयोगितागंज पुलिस ने बताया कि शालिनी पांडे मूल रूप से धार की रहने वाली हैं, जो वर्तमान में रेडियो कॉलोनी में रहती हैं। वह

एमवाय में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर पदस्थ हैं। उनकी शिकायत पर पति दीपक तंवर के खिलाफ अस्पताल के आईसीयू में मारपीट करने और धमकाने के मामले में केस दर्ज किया गया है।

शालिनी ने बताया कि जिला कोर्ट कुक्षी में जुलाई 2025 में तलाक को लेकर केस लगाया गया है, जो वहां विचाराधीन है। इस बात से नाराज होकर गुरुवार दोपहर, जब वह अस्पताल के आईसीयू में ड्यूटी कर रही थीं, तो वहां पति दीपक आया और अपशब्द कहते हुए मारपीट करने लगा। उसने कहा कि उसका बेटा उसे चाहिए, नहीं तो वह जान से खत्म कर देगा।

काफी देर तक वहां स्टाफ ने उसे समझाने की कोशिश की। इसके बाद गार्ड की मदद से दीपक को बाहर करवाया गया। ड्यूटी खत्म कर नर्सिंग महिला ऑफिसर घर पहुंचीं तो मोबाइल पर धमकियां दीं, वहीं महिला ऑफिसर की मां को भी मोबाइल पर कॉल कर धमकियां दीं। इसके बाद पीड़िता थाने पहुंचीं और पति दीपक पंवार के खिलाफ केस दर्ज करा दिया।

10 दिन दो थानों में भटकती रही छात्रा, केस दर्ज

शादी का झांसा देकर दोस्त ने किया रेप धमकियों के बाद पीड़िता ने की शिकायत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में दो थानों में करीब 10 दिन तक आवेदन देने के बावजूद भटकती रही एक 19 वर्षीय छात्रा की शिकायत के बाद भंवरकुआ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया और आगे की जांच आजाद नगर पुलिस को सौंप दी। भंवरकुआ पुलिस के अनुसार, छात्रा ने 5 अगस्त को आवेदन देकर अनिकेत राठौर निवासी पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास चितावद के खिलाफ रेप की शिकायत की। पीड़िता मूल रूप से सागर की रहने वाली है और वर्तमान में त्रिवेणी नगर, तीन इमली में रहती है। उसने बताया कि आरोपी अनिकेत उसकी बहन का दोस्त था, जिससे उनकी दोस्ती हो गई थी। छात्रा के अनुसार, अनिकेत ने उसे अपने पसंद करने और शादी की बात की। 25 अप्रैल 2024 को उसने पीड़िता को मूसाखेड़ी के एक होटल में ले जाकर शादी के लिए कहा, लेकिन जब पीड़िता ने शादी की पुष्टि मांगी तो आरोपी टालने लगा। 15 जनवरी 2025 को अनिकेत ने बताया कि उसके परिवार ने सगाई कर दी है और अब वह शादी नहीं कर पाएगा।

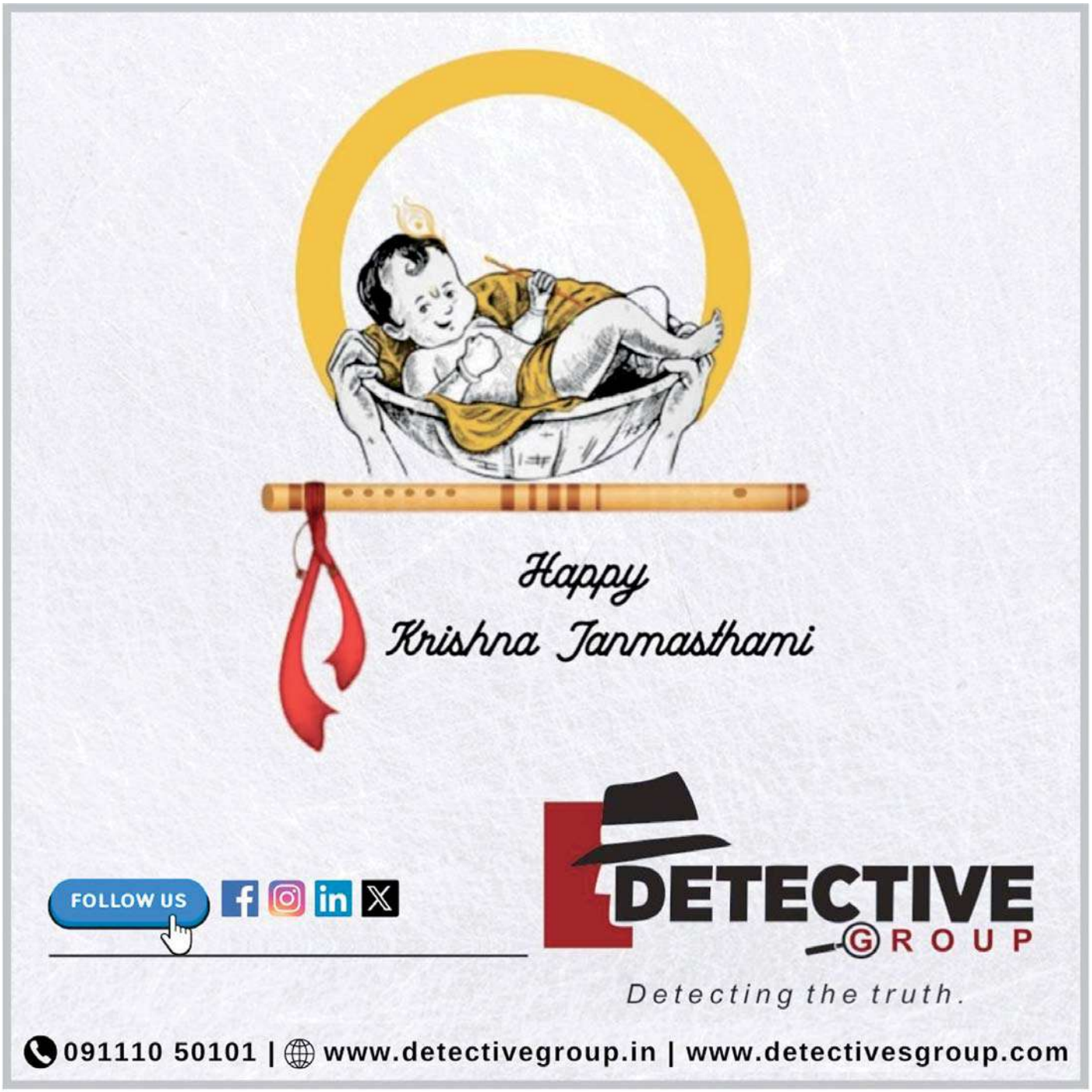

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक